सोशल मिडिया के माध्यम से जुड़कर देखो सेवा
1.जोधपुर शाखा वाट्सएप्प ग्रुप-8696946646
2.नागौर गौशाला वाट्सएप्प ग्रुप-9549272222
3.कामधेनु सेना वाट्सएप्प ग्रुप-9982274444
Facebook-विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर, Kamdhenu Sena, Twitter-@jodhpurgaushala, Instagram-Jodhpurgaushala से जुड़कर हमारी प्रतिदिन की सेवा भी आप देख सकते है।

www.gaulokmahatirth.com

भारत सरकार द्वारा पंजीकृत
R.N.I. No. RAJHIN/2014/56670
Postal Reg No. NGR/080 /2025-27

कामधेनु दर्शन

वर्ष-11 | अंक-8 | कुल पृष्ठ:4 | एक प्रति मूल्य:10 रू.
जोधपुर, गुरूवार 1 मई, 2025 | वार्षिक शुल्क:100रू.

मासिक समाचार पत्रिका
सम्पादक - सुनील शर्मा (BCA)
सह सम्पादक-ओमप्रकाश चौहान (M.sc)

गो चिकित्सालय में यात्रियों के सुविधार्थ V.I.P.रुम

नोट-रूम का शुल्क 150 रू. हैं, आपश्री भोजन, नाश्ता, चाय, बिसलेरी पानी की बोतल, टुवाल, साबुन, अखबार इत्यादि का उपयोग लेते हो तो यह रूम 1 रू. में पड़ेगा।

संतो हेतु V.I.P. रूम, चाय, नाश्ता, पानी की बोतल, टूवाल, साबुन व अखाबार की निःशुल्क व्यवस्था है।

80 रू. भोजन (16 आईटम)
20 रू. चाय (जितनी मर्जी हो उतनी बार चाय पियें)
5 रू. नाश्ता
15 रू. पानी की बोतल
22 रू. टूवाल
4 रू. अखबार
3 रू. साबुन
1 रू. रूम
150 रू. रूम शुल्क हैं

गोभक्त भेज सकते हैं गेहूँ की तुड़ी (खाखला)

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय में लावारिस, दुर्घटनाग्रस्त, पीड़ाग्रस्त, गोवंश की सेवा एवं उपचार कार्य बड़े स्तर पर किया जाता है, लावारिस दुर्घटनाग्रस्त गोवंश हेतु गोभक्त किसान भाई गेहुँ का खाखला (तुड़ी) निःशुल्क भेज कर पुण्य लाभ प्राप्त करे, पंजाब व हरियाणा में भी बहुत बड़ी मात्रा में तुड़ी होती है, पंजाब व हरियाणा के गोभक्तों से निवेदन है कि वे गुजरात की तरफ जाते समय गाड़ी में तुड़ी भर कर ला सकते है, ट्रक व ट्रेक्टर की झाल का किराया दे दिया जायेगा। गोभक्तों से आग्रह है कि वह इस पावन पुनित कार्य में अपना सहयोग प्रदान करे आपके द्वारा भेजा गया खाखला (तुड़ी) का पुर्ण सदुपयोग किया जायेगा। हमारे धर्म शास्त्रो के अनुसार बीमार, लावारिस गोवंश को चारा देने का अनन्त पुण्य लाभ मिलता है एवं चारा ऐसी जगह भेजना चाहिए जहाँ 100 प्रतिशत पुर्ण उपयोग हो तभी देने वाले को पुण्य मिलता है। मो.8696946644

36 कौम के सहयोग से व गहलोत परिवार ने बनवाया टीनशेड

गोभक्त प्रेमसिंहजी सोलंकी, न्यू भदवासिया सब्जी व फ्रुट मण्डी, जोधपुर ने 36 कौम के गोभक्तों के सहयोग से व श्रीमती ऊर्मिलाजी गहलोत धर्मपत्नी स्व.श्री केशुसिंहजी गहलोत, ईमरतिया बेरा, महामन्दिर, जोधपुर वालों ने अपनी सुपुत्री स्व.विजयलक्ष्मीजी गहलोत की पुण्यस्मृति में विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में पीड़ित गोवंश हितार्थ 18 गुणा 90 फिट साइज का कथा पाण्डाल हेतु 2 टीनशेड बनवाकर गोमाता के श्री चरणों में समर्पित किया। सभी गोभक्तों को साफा, तिलक, पुष्पमाला पहनाकर व पुष्पवर्षा कर स्वागत सम्मान किया। महिला मण्डली ने गोलडेम के नीचें भजन व संकीर्तन किया और सभी गोपालकों हेतु भोजन प्रसादी बनवाई। इस दौरान ऊर्मिलाजी गहलोत को संस्था की ओर से 'रजत स्मृति चिन्ह' देकर सम्मान किया।

सतयुग हो या राम राज्य उस दौरान भी राक्षसी गुण वाले मनुष्यों का वास रहा, ऐसे चन्द मनुष्यों ने गो चिकित्सालय पर दाग लगाने के भरकस प्रयास किये लेकिन अब तक वह असफल ही रहे...

देवभूमि भारत के इतिहास में न पहले थी न वर्तमान में है ऐसी 18 एम्बुलेन्सों की सेवा-यही हमारा ऐतिहासिक कार्य

सूर्य उदय होते ही एम्बुलेन्स सेवा होती है चालू लावारिस दुर्घटनाग्रस्त व बीमार गोवंश की सूचना हेतु मोबाईल सेवा (फोन सेवा) सूर्य उदय से सूर्य अस्त तक रहती हैं, 18 एम्बुलेंसों की सेवा सूर्य उदय होते ही गो सेवार्थ पावन पुनित कार्य के लिए निकल जाती हैं एवं दिन में एम्बुलेंस कम पड़ने पर किराये का वाहन भेजकर विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय अपना दायित्व पूर्ण करता है। जो एम्बुलेंस दिन में दूसरी बार जाती हैं वह रात्रि तक पहुंचती है और रात्रि में ही उस बीमार गोवंश की चिकित्सा की जाती हैं, चिकित्सा सेवा 24 घण्टे विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय नागौर व जोधपुर शाखा में चालू रहती हैं।

अनुभवी चिकित्सकों के अथक प्रयासों तथा उच्च गुणवत्ता युक्त दवाईयों से उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवा

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय में इंसानों की भांति होती है 24 घण्टे निरन्तर गो चिकित्सा सेवा

गो चिकित्सालय में अनुभवी मेडिकल टीम ने किया प्रसव पीड़ित ऑपरेशन

1.एक घरेलु गोमाता जो कि प्रसव पीड़ित थी उसको उपचार हेतु बाबुसिंह राजपुरोहित पुत्र देवीसिंह, ग्राम चावड़ात, जोधपुर वालों ने अपने निजी वाहन द्वारा रात्रि में विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में लेकर आये। 2.गो चिकित्सालय में रात्रिकालीन अनुभवी चिकित्सा टीम द्वारा गोमाता का ऑपरेशन किया गया (इनसेट में मृत बछड़ा)। 3.ऑपरेशन के पश्चात् आराम करती हुई गोमाता। ज्ञात रहे गोमाता को उच्च गुणवतायुक्त पौष्टिक आहार व दवाईयां देने से कुछही दिनों में मिलेगी अच्छी राहत। इस प्रकार विभिन्न बिमारियों से पीड़ित व दुर्घटनाग्रस्त अनेक गोवंश उपचार हेतु प्रतिदिन आते है।

छपरे में आग से जली गोमाता का किया उपचार

छोटाराम पुनीया पुत्र भोमाराम, ग्राम खंडी सालवा, तह.पीपाड़ शहर, जोधपुर वालों ने अपनी घरेलु गोमाता व बछड़ी जो कि छपरें में अज्ञात कारण से आग लगने से बुरी तरह से झुलस गई, गोमाता के पीठ, गर्दन, दोनों कान, चारों पैर, मुँह, आँख, पूँछ, पेट पर चमड़ी शरीर से उतर गई, जगह-जगह पर घाव हो गये उसको उपचार हेतु अपने निजी वाहन द्वारा विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में लेकर आये। आग से जली हुई गोमाता व बछड़ी का उपचार करती हुई अनुभवी चिकित्सा टीम।

मस्से की गांठ से पीड़ित गोमाता का ऑपरेशन

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में धन्नाराम सुथार पुत्र प्रतापराम, ग्राम फलसुण्ड, तह.पोकरण, जिला जैसलमेर वालों ने अपनी घरेलु गोमाता को नीजी वाहन द्वारा पहुंचाया, इस गोमाता के सिर के ऊपर एक मस्से की बड़ी गांठ थी। गो चिकित्सालय में गोमाता का ऑपरेशन करती हुई अनुभवी चिकित्सा टीम।

पैर फैक्चर नंदी का किया उपचार

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में हीरालाल सैन पुत्र बाबुलाल, ग्राम निनोर, तह.दलोट, जिला प्रतापगढ़ वालों ने एक निराश्रित नंदी महाराज जिसका आगे का एक पैर फैक्चर था उसको उपचार हेतु अपने निजी वाहन द्वारा रात्रि के समय विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में लेकर आये। रात्रिकालीन अनुभवी मेडिकल कम्पाउण्डर द्वारा नंदी का उपचार किया गया।

कुत्तो द्वारा घायल बछड़े का किया ईलाज

एक निराश्रित बछड़े को कुत्तों ने नोच डाला और दोनों कान तोड़कर खा गये और पेरों के पास में घाव कर दिये उसको उपचार हेतु योगेन्द्र चवेल पुत्र सोहन, ग्राम डिगाड़ी, जोधपुर वालों ने एम्बुलेंस द्वारा विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में पहुँचाया। अनुभवी चिकित्सा टीम द्वारा बछड़े का उपचार करती हुई। ज्ञात रहे बछड़े को उच्च गुणवतायुक्त पौष्टिक आहार व दवाईयां देने से कुछही दिनों में मिलेगी अच्छी राहत।

शरीर पीड़ित गोमाता का किया उपचार

उम्मेदसिंह राठौड़ पुत्र अमरसिंह, ग्राम कोलूपाबुजी, तह.देचू, जिला फलोदी वालों ने अपनी घरेलु गोमाता जो कि शरीर बाहर आने से पीड़ित थी उसको उपचार हेतु अपने निजी वाहन द्वारा गो चिकित्सालय, जोधपुर में लेकर आये। अनुभवी चिकित्सा टीम गोमाता का उपचार करती हुई। इस प्रकार विभिन्न बिमारियों से पीड़ित व दुर्घटनाग्रस्त अनेक गोवंश उपचार हेतु प्रतिदिन आते है।

पेट में सींग घुसने से आया रुमन बाहर

दो नंदी महाराज की आपसी लड़ाई के कारण एक नंदी के पेट में सींग घुसने से उसका रूमन बाहर आ गया उसको उपचार हेतु अपने निजी वाहन द्वारा जंवरीलाल सारण पुत्र जयकिशन, ग्राम नांदिया प्रभावती, तह.भोपालगढ़, जोधपुर वालों ने विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में लेकर आये। अनुभवी चिकित्सा टीम द्वारा नंदी का उपचार किया गया। उपचार के पश्चात् आराम से चारा खाता हुआ नंदी।

पैर कटने से पीड़ित नंदी का किया उपचार

ग्राम सांवरिज, तह. देचू, जिला फलोदी में एक निराश्रित नंदी महाराज जिसका किसी दुर्घटना में एक पैर पुरा ही कट गया और लगातार खुन बह रहा था उसको श्री सती माता गौसेवा फाउण्डेशन, जोधपुर वालों ने उपचार हेतु निजी वाहन द्वारा रात्रि में विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में लेकर आये। गो चिकित्सालय में नंदी का तुरन्त उपचार करती हुई रात्रिकालीन अनुभवी चिकित्सा टीम।

पैर फैक्चर हिरण का किया रात्रि में उपचार

गो चिकित्सालय में वन्यजीवों को वन्यजीव प्रेमी ही लेकर आते है इन घायल वन्यजीवों को कड़ी मेहनत व उच्च क्वालिटी की दवाईयाँ द्वारा उपचार किया जाता है व मानव बच्चों की तरह देखभाल की जाती है, पूर्णतया स्वस्थ होने के बाद इन वन्यजीवों को सविचरण हेतु छोड़ दिया जाता है। जोगारामजी सुथार पुत्र श्री भंवररामजी, ग्राम व तह. बटाडू, जिला बाड़मेर वालों ने एक पैर फैक्चर हिरण को उपचार हेतु रात्रिकालीन में निजी वाहन से विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में लेकर आये। गो चिकित्सालय में घायल हिरण का उपचार करती हुई रात्रिकालीन अनुभवी मेडिकल कम्पाउण्डर।

इंसानों के विश्व स्तरीय चिकित्सालय भारत में सैकड़ों मिल जायेगें लेकिन गोवंश हितार्थ विश्व स्तरीय व राष्ट्रीय स्तरीय गो चिकित्सालय चार-पांच ही मिलेंगे कारण इन्हें संचालन करने में कठोर

प्रतिदिन 24 कढ़ाईयों के अन्दर लगभग 8 टन बांटा दिया जाता है

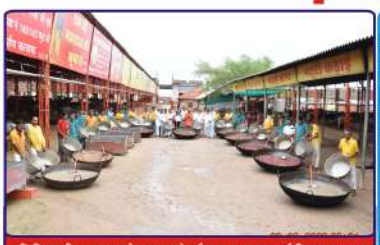

प्रतिदिन पीड़ाग्रस्त गोमाता को मौसम अनुसार पौष्टिक आहार स्वरूप 24 कढ़ाईयों के अन्दर लगभग 8 टन (आठ हजार किलो) बांटा (दलिया) पकाकर दिया जाता है। इसके अन्दर मिनरल पाउडर जिसके अन्दर कैल्शियम, कॉपर, कोबाल्ट, मैग्नेशियम, खनिज लवण व विटामिन होते है। जिसे गोवंश को वजन के अनुसार बांटे में डालकर खिलाया जाता है। जिससे गोवंश को मिनरल की कमी न हो और साथ ही गोवंश स्वस्थ व तन्दुरस्त रहे।

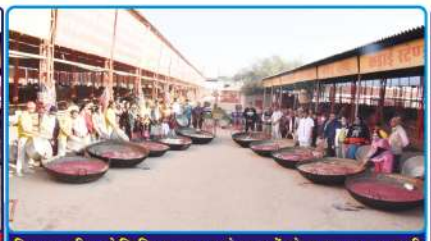

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में गोभक्त बाबुलाल जी पुत्र श्री लाखाराम जी बिश्नोई, ग्राम मेघावा, पो. विरावा, तह. चितलवाना, जिला जालौर वालों ने अपने 49वें जन्मोत्सव पर पीड़ित, गोवंश हितार्थ 10 कढ़ाई दलिया बनवाया, 5 पीपा मूंगफली तेल एवं 1100 रूपये का हरा चारा (रिजगा) डलवाकर पुण्य लाभ प्राप्त किया, आप श्री भी ले प्रेरणा।

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय में पीड़ाग्रस्त गोवंश के हित को देखते हुए चिकित्सकों के सलाह के अनुसार उच्च क्वालिटी का चारा (ज्वार की कुतर, बाजरी की कुतर) ही दिया जाता है। इस चारे को चारा मशीन द्वारा छाणकर गोवंश को दिया जाता है इस दौरान छानते वक्त कंकर या अन्य वस्तु को भी हटाया जाता है। चारा मशीन से जब चारा छणा जाता है तो बिलकुल बारिक मिट्टी एवं गुदी अलग ही निकलती है यह मिट्टी व गुदी बीमार गोवंश के लिए नुकसान दायक रहती है।

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय में विशालतम् बांटा गोदाम 55X35 फिट बड़ा, जिसमें सैंकड़ों टन खाद्य सामग्री को रखा जाता है, ज्ञात रहे उसी अनुसार वापस बड़ी मात्रा में प्रतिदिन 8 टन (8 हजार किलो) 24 कढ़ाईयों में खाद्य सामग्री लगती है, यहाँ बीमार एवं दुर्घटनाग्रस्त गोवंश की हो रही चिकित्सा-सेवा से प्रभावित होकर अपने गाँव/शहर के गोभक्त मिलकर खल, गुड़, चुरी, जौ, लापसी हेतु गेहूं का बाट, बाजरी का दलिया, चापड़ इत्यादि गो खाद्य सामग्री भेजना चाहते है तो गो चिकित्सालय में सूचना करें ताकि किराये का वाहन भेज कर खाद्य सामग्री मंगवा ली जायेगी। **सम्पर्क- 8696946644**

सेवा से प्रभावित होकर गोभक्त बनवाते है पीड़ित गोवंश हितार्थ पौष्टिक आहार

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में पीड़ित गोवंश की सेवा से प्रभावित होकर डॉ.दशरथ जी परिहार, महामन्दिर, जोधपुर वालों ने अपने सुपुत्र भाविन के 9वें जन्मदिवस पर पीड़ित गोवंश हितार्थ 10 कढ़ाई दलिया बनवाकर पीड़ित गोवंश से आशीर्वाद लिया।

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में पीड़ित, बीमार व दुर्घटना ग्रस्त गोवंश की कलयुग में सतयुग जैसी आत्मीय भाव से माता-पिता की भाँति हो रही चिकित्सा सेवा से प्रभावित होकर देवासी परिवार, जोधपुर वालों ने पीड़ित गोवंश हितार्थ 1 कढ़ाई दलिया बनवाया।

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में चीमू देवी जी धर्मपत्नी श्री नारूरामजी, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड, जोधपुर वालों ने अमावस्या के पावन पर्व पर पीड़ित गोवंश हितार्थ 1 कढ़ाई दलिया बनवाकर पुण्य प्राप्त किया।

पीड़ित, बीमार व दुर्घटना ग्रस्त गोवंश की कलयुग में सतयुग जैसी आत्मीय भाव से माता-पिता की भाँति हो रही चिकित्सा सेवा से प्रभावित होकर गोविन्दजी गहलोत पुत्र श्री कल्याणसिंहजी, मण्डोर, जोधपुर वालों द्वारा 1 कढ़ाई लापसी बनवाकर पुण्य प्राप्त किया।

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में देवीदासजी वैष्णव, माता का थान, जोधपुर वालों ने अपनी दोहिती दुविशा वैष्णव (सुपुत्री स्व. वासुदेवजी) के तीसरे जन्मदिवस पर पीड़ित गोवंश हितार्थ 1 कढ़ाई लापसी बनवाकर पुण्य प्राप्त किया।

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में स्व.श्री पदमसिंहजी देवड़ा, चुतरावता पुलिया, जोधपुर वालों की प्रथम पुण्यतिथि के उपलक्ष में परिवारजन द्वारा पीड़ित गोवंश हितार्थ 2100 रू. का हरा चारा डलवाकर पुण्य प्राप्त किया।

पीड़ित गोवंश हितार्थ किया सहयोग

1.

2.

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में पीड़ित, बीमार व दुर्घटना ग्रस्त गोवंश की कलयुग में सतयुग जैसी आत्मीय भाव से माता- पिता की भाँति हो रही चिकित्सा सेवा से प्रभावित होकर 1.रविजी गहलोत पुत्र श्री मूलसिंहजी, जोधपुर वालों द्वारा 21 हजार रू. का सहयोग कर पुण्य प्राप्त किया। 2.पण्डित जितुजी महाराज गादेरी वाले, ऊर्मिला बाई सा, श्री मां नागणेच्वी ज्योतिष कार्यालय, डिगाड़ी कल्ला वालों ने 16 हजार 600 रू. का सहयोग कर पुण्य प्राप्त किया।

भजन संध्या में लिया भाग

बेरा रूपावतों वाली, पीपलिया कलां, तह.रायपुर, जिला ब्यावर में सुरेशकुमार जी, महेन्द्रकुमार जी मुलेवा के नवनिर्मित शान्ति विला का गृह प्रवेश व भजन संध्या कार्यक्रम में विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय के संस्थापक श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर स्वामी कुशालगिरीजी महाराज के प्रतिनिधि के रूप में जोधपुर शाखा अध्यक्ष कालुराम जी प्रजापत व टीम ने भाग लिया। इस दौरान सुरेश जी मुलेवा व भजन गायक गोभक्त डॉ.ओमजी मुण्डेल को साफा, माला पहनाकर कामधेनु दर्शन पुस्तक देकर स्वागत सम्मान किया। गृह प्रवेश कार्यक्रम के दौरान अनेक संतो, भजन गायको व श्रोतागणों की उपस्थिति रही।